यमन में शांति की उम्मीद

प्रलिम्सि के लिये:

[हौथिस](), यमन का क्षेत्र और पड़ोस, ऑपरेशन राहत

मेन्स के लिये:

यमन गृह युद्ध, हौथी संघर्ष का महत्त्व, भारत की रुचि

चर्चा में क्यों?

यमन में युद्धरत पक्ष सैकड़ों कैदियों की अदला-बदली कर रहे हैं, जिसने **सऊदी समर्थित सरकारी बलों और ईरान समर्थित हौथी विद्रोहियों के बीच एक स्थायी युद्धविराम की उम्मीद जगाई** है।

//

यमन में युद्ध की शुरुआत:

- यमन गृह युद्ध 2011 में सत्तावादी राष्ट्रपति अली अब्दुल्ला सालेह (Ali Abdullah Saleh) के अपदस्थ होने के बाद शुरू हुआ। नए राष्ट्रपति, अब्दरब्बुह मंसूर हादी, आर्थिक और **सुरक्षा समस्याओं के कारण देश को स्थिरता प्रदान करने में असमर्थ** रहे।

- **जैदी शयिा मुस्लमि अल्पसंख्यक समूह हौथसि** ने इसका फायदा उठाया और **वर्ष 2014 में उत्तर और राजधानी सना पर नयिंत्रण** कर लयिा।
    - इसने **सऊदी अरब को चतिति कर दयिा, जसिे डर था कि हौथसि उनके प्रतदि्वंद्वी ईरान के सहयोगी बन जाएंगे।** सऊदी अरब ने तब एक गठबंधन का नेतृत्व कयिा जसिमें अन्य अरब देश शामलि थे और वर्ष 2015 में यमन में सेना भेजी। हालाँकि वे सना के साथ-साथ देश के उत्तर से हौथयिों को खदेड़ने में असमर्थ थे।
    - अप्रैल 2022 में संयुक्त राष्ट्र ने सऊदी के नेतृत्त्व वाले गठबंधन और हौथी वद्रिोहयिों के बीच संघर्ष वरिाम की मध्यस्थता की, हालाँकि पक्षकार छह महीने बाद इसे नवीनीकृत करने में वफिल रहे।

स्टॉकहोम समझौता:

- यमन के कुछ हस्सिों पर नयिंत्रण रखने वाले युद्धरत पक्षों ने दसिंबर 2018 में **संघर्ष-संबंधी बंदयिों को मुक्त** करने के लयिे स्टॉकहोम समझौते पर हस्ताक्षर कयि थे।
- संयुक्त राष्ट्र द्वारा मध्यस्थता कयिे गए समझौते के तीन मुख्य घटक थे:
    - **हुदायाह समझौता:**
        - हुदायाह समझौते में **होदेइदाह शहर में युद्धवरिाम** और शहर में कोई सैन्य सुदृढ़ीकरण न होने जैसे अन्य खंड शामलि थे और **संयुक्त राष्ट्र की उपस्थति को मज़बूत कयिा गया था।**
    - **कैदी वनिमिय समझौता:**
        - **अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस समति** इस प्रक्रयिा की देख-रेख और समर्थन करेगी, जसिकी देख-रेख यमन के महासचवि के वशिेष दूत के कार्यालय द्वारा की गई थी।
            - उनका उद्देश्य मौलकि मानवीय सद्धिांतों और प्रक्रयिाओं को सुनश्चिति करना है जो **यमन में घटनाओं के दौरान अपनी स्वतंत्रता से वंचति सभी व्यक्तयिों की रहिाई या स्थानांतरण या प्रत्यावर्तन** की सुवधिा प्रदान करते हैं।
    - **ताइज़ समझौता:**
        - ताइज़ समझौते में **नागरकि समाज और संयुक्त राष्ट्र की भागीदारी के साथ एक संयुक्त समति का गठन शामलि है।**

इस युद्ध का यमन पर प्रभाव:

- संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, यमन में अब दुनयिा का सबसे बड़ा मानवीय संकट है, **जसिकी 80% आबादी सहायता और सुरक्षा पर नरि्भर है।**
- वर्ष 2015 से 30 लाख से अधकि लोग अपने घरों से वसि्थापति हुए हैं और **स्वास्थ्य सेवा, जल, स्वच्छता एवं शक्षिा जैसे सार्वजनकि सेवा क्षेत्र या तो समाप्त हो गए हैं या गंभीर स्थति में हैं।**
- यमन आर्थकि रूप से संकट में है, आर्थकि उत्पादन में **90 बलियिन अमेरकिी डॉलर का नुकसान हुआ है, साथ ही 6,00,000 से अधकि लोगों ने अपनी नौकरी खो दी है। देश की आधी से ज़्यादा आबादी व्यापक गरीबी में जी रही है।**

यमन संकट के कारण भारत और वशि्व की चतिाएँ:

- **वैश्वकि:**
    - अंतर्राष्ट्रीय तेल शपिमेंट के लयिे **अदान की खाड़ी से लाल सागर को जोड़ने वाले जलसंधि में यमन का अवस्थति होना** यह चतिा उत्पन्न करता है कि कि **यमन संकट वशि्व भर में तेल की कीमतों को कसि प्रकार प्रभावति करेगा।**
    - यमन में **अल-कायदा और IS से जुड़े समूहों की उपस्थति वैश्वकि सुरक्षा के लयिे जोखमि पैदा करती है।**
- **भारत:**
    - **यमन भारत के लयिे कच्चे तेल का एक प्रमुख स्रोत है** और तेल आपूर्ति शृंखला में कोई भी व्यवधान भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है।
        - **यमन, सऊदी अरब, ईरान में रह रहे भारतीय प्रवासयिों की बड़ी आबादी भारत के लयिे एक चुनौती है।**
            - भारत पर **अपने नागरकिों की सुरक्षा और संरक्षा सुनश्चिति करने एवं प्रेषति धन (Remittances) में कसिी भी व्यवधान के प्रभाव का प्रबंधन करने की ज़म्मिेदारी** है, जो **भारत में कई परविारों के लयिे आय का एक महत्त्वपूर्ण स्रोत है।**

भारत की पहलें:

- **ऑपरेशन राहत:**
    - भारत ने अप्रैल 2015 में **यमन से 4000 से अधकि भारतीय नागरकिों को नकिालने के लयिे बड़े पैमाने पर हवाई और समुद्री अभयिान शुरू कयि।**
- **मानवीय सहायता:**
    - भारत ने अतीत में **यमन को भोजन एवं चकित्सिा सहायता प्रदान की है** तथा वगित कुछ वर्षों में हज़ारों यमन- नागरकिों ने भारत में चकित्सिा उपचार का लाभ उठाया है।
    - भारत वभिन्नि भारतीय संस्थानों में **बड़ी संख्या में यमन- नागरकिों को शक्षिा की सुवधिा भी प्रदान करता है।**

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. हाल ही में निम्नलिखित में से किन देशों में लाखों लोग या तो भयंकर अकाल एवं कुपोषण से प्रभावित हुए या उनकी युद्ध/संजातीय संघर्ष के चलते उत्पन्न भुखमरी के कारण मृत्यु हुई? (2018)

(a) अंगोला और ज़ाम्बिया
(b) मोरक्को और ट्यूनीशिया
(c) वेनेज़ुएला और कोलंबिया
(d) यमन और दक्षिण सूडान

उत्तर: (d)

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/hope-for-peace-in-yemen